पार्वोवायरस से शरीर में पानी की अत्यधिक कमी हो जाती है और यह सफ़ेद रक्त कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। इससे प्रतिरोधण क्षमता में कमी हो जाती है जिससे उन्हें अन्य प्रकार के संक्रमण आसानी से हो सकते हैं।

पार्वोवायरस अधिकांश रूप से पिल्लों को होता है लेकिन यह किसी भी आयु के कुत्ते को हो सकता है।

पिल्लों में इस विषाणु के जीवनघातक होने की संभावना अधिक होती है और यह एक ही प्रसव के दौरान पैदा हुए सभी पिल्लों को मार सकता है।

पार्वोवायरस से बचना

पिल्लों को निम्नलिखित आयु पर टीके लगवाएँ:

- 8 सप्ताह की आयु में
- 12 सप्ताह की आयु में
- 16 सप्ताह की आयु में
- उसके बाद हर वर्ष।

यदि आपके कुत्ते या पिल्ले को पूरे टीके नहीं लगे हैं तो अन्य जानवरों के साथ उसके संपर्क को कम से कम रखें और उसे ऐसे स्थानों पर न ले जाएँ जहाँ उसे पार्वोवायरस का ख़तरा हो (जैसे कुत्तों के लिए उद्यान, पालतू पशुओं के लिए स्टोर, प्रशिक्षण की कक्षाएँ आदि)। पूरे टीके लगने से पहले यदि आपका पालतू पशु अन्य जानवरों से मेल-मिलाप करता है, तो यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा कि उन जानवरों को पूरे टीके लग चुके हों।

वयस्क कुत्ते – विषाणु से बचाने के लिए उन्हें हर वर्ष टीका लगवाएँ। आपको अपने कुत्ते की परिस्थितियों के बारे में अपने पशु-चिकित्सक से चर्चा करनी चाहिए।

RSPCA Victoria

rspcavic.org

03 9224 2222

3 Burwood Highway
Burwood East VIC 3151

दि रॉयल सोसाइटी फॉर दि प्रिवेंशन ऑफ़ क्रूएल्टी टु एनीमल्स
(विक्टोरिया) ए बी एन 56 749 449 191 | ए सी एन 131 965 761

RSPCA Victoria

पार्वोवायरस

कुत्तों और पिल्लों की एक गंभीर बीमारी

पार्वोवायरस एक गंभीर बीमारी है जो हर आयु के उन कुत्तों को हो सकती है जिन्हें इसका टीका न लगा हो। यह कुत्तों में बड़ी आसानी से फैल जाती है और इससे उनकी मृत्यु हो सकती है।

कुत्ते का मल विषाणु का सबसे आम स्रोत है, इसलिए मिट्टी से या अन्य कुत्तों से यह विषाणु आपके कुत्ते में आ सकता है। यह विषाणु अन्य कुत्तों, विषाणुग्रस्त जूतों, कपड़ों, बिस्तरों, खाने और पानी के कटोरों और खिलौनों से संपर्क के द्वारा भी फैल सकता है।

एक बार पार्वोवायरस घर में, मिट्टी में या घर के पिछवाड़े में आ जाए तो वह कई वर्षों तक वहाँ जीवित रह सकता है। इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि आपके कुत्ते को समय पर टीके लगते रहें ताकि वह इस विषाणु से सदा सुरक्षित रहे।

पार्वोवायरस कुत्ते के पाचनतंत्र पर वार करता है और आंतों की सतह और अस्थिमज्जा को नुक़सान पहुँचाता है।

लक्षण

(नोट: कुछ कुत्तों में नीचे दिए गए सारे लक्षण देखने में नहीं आते):

- उल्टी आना
- रक्त के साथ दस्त
- भूख न लगना
- अत्यधिक थकान या कमज़ोरी होना
- ज्वर

उपचार

1. यदि आपको संदेह है कि आपके कुत्ते को पार्वोवायरस हो सकता है तो तुरंत किसी पशु-चिकित्सक से संपर्क करें। यदि विषाणु का पता जल्दी लग जाता है तो कई बार अत्यधिक तरल पदार्थों, एंटीबायोटिक और नर्स द्वारा देख-भाल से इसका उपचार हो सकता है। दु:खद बात यह है कि बहुत से कुत्ते, विशेष रूप से पिल्ले, बहुत कमज़ोर हो जाते हैं और उन्हें बचाना संभव नहीं होता। यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि यह विषाणु कुत्ते को जल्दी ही मार देता है, इसलिए, आपको उसे अपने पशु-चिकित्सक को जल्दी से जल्दी दिखाना होगा।
2. क्योंकि पार्वोवायरस बीमारी मल से फैलती है और यह मिट्टी से भी फैल सकती है, यह आवश्यक है कि जब आपका कुत्ता मल का विसर्जन करे तो आप सदा मल को वहाँ से उठा लें। यदि समुदाय के सभी लोग अपने कुत्ते के मल को उठा लेते हैं तो विषाणु के फैलने की संभावना कम हो जाएगी।
3. वातावरण को विषाणुमुक्त करने और उसके अन्य कुत्तों में फैलने से रोकने के लिए खाने के कटोरों, खिलौनों, बिस्तरों और पिंजरों को डिसइन्फेकट करना और रगड़ कर साफ़ करना भी महत्त्वपूर्ण है। यदि आपके घर में कई पालतू पशु हैं तो हम यह सलाह देंगे कि आप बीमार पशुओं को सबसे बाद में खाना खिलाएँ और पुचकारें, और ध्यान दें कि बीमारी अन्य पशुओं में न फैले।

जिस सतह पर बीमारी के कीटाणु हों, उसे वेटरनरी ग्रेड डिसइन्फेकटेंट (जैसे एफ़ 10) वातावरण, या घर में इस्तेमाल करने के ब्लीच को पानी में मिला कर (एक हिस्सा ब्लीच, 30 हिस्से पानी) साफ़ करें। सफ़ाई के लिए आप जो भी पदार्थ प्रयोग करें, उसे ठोस सतह पर 10-15 मिनट तक पड़ा रहने दें। उसके बाद सतह को पानी से धो दें या अच्छी तरह साफ़ कर दें ताकि सफ़ाई के पदार्थ से पालतू पशुओं को कोई हानि न हो। यदि नरम चीजों पर कीटाणुओं के होने का अंदेशा हो तो उन्हें फेंक दें। घास और मिट्टी को पूरी तरह साफ़ कर पाना असंभव होता है।

उपचार

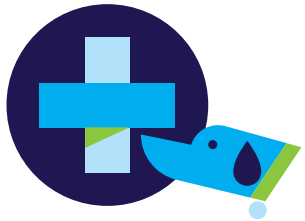

कदम 1

पशु-चिकित्सक से सहायता लें

कदम 2

सतहों को ब्लीच से रगड़ कर साफ़ करें

रोक-थाम

कदम 1

टीका लगवाएँ

कदम 2

अपने कुत्ते के मल को उठा लें।